T. D. C. Part – I, Paper – II (H)

Q. – Describe the main stages of the democratisation of the British House of commons ~~Sa~~ Sabha since 1832?

Ans. – ब्रिटिश प्रजातंत्र जो आज अपने चरमोत्कर्ष पर है 1832 के पूर्व बिल्कुल अलोकतांत्रिक था, क्योंकि प्रतिनिधित्व प्रणाली और मताधिकार अपने वास्तविक में नहीं था। प्रतिनिधित्व का आधार जनसंख्या नहीं बल्कि सम्पत्ति थी। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि, "Only in imagination can medieval Parliament be regarded as representative of the nation."
18 वीं शताब्दी तक इस कुलीनतांत्रिक व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं आया था। जैसे Charles II के शासन काल से ही कुछ लोग समझने लगे थे कि संसद में प्रतिनिधित्व की प्रणाली दोषपूर्ण थी, जिसे बदलना आवश्यक था। 1776 में कॉमन्स सभा के एक सदस्य Wilkes ने जनता को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए एक Bill पुनः स्थापित की लेकिन इसका कोई परिणाम नहीं निकला। फिर भी उसे इस बात का श्रेय तो मिलना चाहिए कि वह पहला व्यक्ति था, जिसने देश की जनता को समान प्रतिनिधित्व देने की बात उठाई।

निर्वाचन क्षेत्रों का गठन इस प्रकार था कि बहुत से कम जनसंख्या वाले क्षेत्र अपने अधिक प्रतिनिधि भेजते थे और अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र कम प्रतिनिधि भेज पाते थे। ~~औद्योगिक~~ औद्योगिक क्रांति के बाद बर्मिंघम, मैनचेस्टर आदि बड़े-बड़े नगरों का उदय हुआ जिनका कॉमन्स सभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। कॉमन्स सभा में नामजदगी की तुलना में लॉर्ड्स की सदस्य संख्या अधिक थी। इसके अतिरिक्त स्कॉटलैंड, आयरलैंड आदि का अल्पप्रतिनिधित्व था। इस दोषपूर्ण संसदीय प्रणाली के कारण कॉमन्स सभा में कुलीन भूमिपतियों का बोलबाला था। मताधिकार केवल उन्हीं लोगों को प्राप्त था, जिनके पास 40 शिलिंग वार्षिक आय की स्वतन्त्र सम्पत्ति हो। काउन्टी के लिए सदस्यों का चुनाव होता था उनके पास 600 पौण्ड वार्षिक आय की भूमि सम्पत्ति होनी आवश्यक थी। गुप्त मतदान प्रथा नहीं होने से धांधली चलती रहती थी। लॉर्ड्स का इस प्रकार कॉमन्स सभा दोनों के अधिकार समान थे। इन दोषों को दूर करने

Scanned with CamScanner

की ओर बढ़ने की लोगों का उत्साह जागृत हुआ किन्तु 1832 के पूर्व इस ओर कोई प्रगति नहीं हो सकी। 1830 की फ्रांसीसी क्रान्ति ने ऐसे सुधारों के लिए इंग्लैण्ड में वातावरण तैयार किया। जिसका उदार इंग्लैण्ड का स्वागत कर [illegible] और सुधारों के पक्ष में था। जार्ज चतुर्थ की मृत्यु के बाद विलियम चतुर्थ और [illegible] के बाद लॉर्ड ग्रे के प्रधान मंत्री बनने से संसदीय सुधारों के लिए मार्ग प्रशस्त हो गया।

अतः प्रतिनिधित्व एवं मताधिकार प्रणाली के दोषों को दूर करने के उद्देश्य से लॉर्ड ग्रे ने 1831 में एक सुधार बिल प्रस्तुत किया पर यह कॉमन सभा के समिति स्तर पर ही गिर गया। लॉर्ड ग्रे ने संसद को भंग कर नया चुनाव करवाया। इस बार इस Bill को कॉमन सभा ने बहुमत से पास कर दिया लेकिन लॉर्ड सभा ने इसे 41 मतों से अस्वीकृत कर दिया। [illegible] लन्दन के दंगा हो गया और क्रांतिकारी उत्तेजना [illegible] Lord Welington पर भी [illegible] [illegible]। इंग्लैण्ड में तो परिस्थिति इतनी बिगड़ी कि गृह युद्ध होना आवश्यक हो गया। लॉर्ड ग्रे ने तीसरी बार इस Bill को कॉमन सभा के सम्मुख रखा जहां से पास हो कर लॉर्ड सभा की स्वीकृति के लिये उपस्थित किया गया। इस बार भी लॉर्ड सभा की समिति स्तर पर इस Bill को इस तरह संशोधित कर दिया कि इसका उद्देश्य ही समाप्त हो गया। अब ग्रे ने पद त्याग कर दिया और Lord Walington को मंत्रिमण्डल बनाने का प्रयास हुआ। लेकिन वे सफल नहीं हो सका। अब राजा ने पुनः ग्रे को प्रधान मंत्री नियुक्त किया। अब [illegible] ग्रे ने इस Bill को [illegible] किया, जो [illegible] से पारित हो गया। [illegible] [illegible] से [illegible] प्रतिनिधि [illegible] का अधिकार [illegible] [illegible] प्रतिनिधि भेजने का अधिकार मिला।

1832 के सुधार Bill की दो महत्वपूर्ण विशेषताएं थी। एक इसके कॉमन सभा के सीटों प्रतिनिधित्व का पुनः निर्धारण किया। जिसमें [illegible] बरो का प्रतिनिधित्व समाप्त कर दिया गया और 30 छोटे-छोटे बरो से एक सदस्य द्वारा एक [illegible] की गई। कॉमन सभा में [illegible] स्थानों की पूर्ति के लिए 22 नये शहरी क्षेत्रों को दो-दो प्रतिनिधि निर्वाचित करने का अधिकार दिया गया।

Scanned with CamScanner

56 बोरो ऐसे निकाले जिन्हें कॉमन्स सभा में प्रतिनिधि भेजने के अधिकार से वंचित कर दिया गया। 22 ऐसे बोरो और 21 बोरो को कॉमन्स सभा में एक प्रतिनिधि भेजने का अधिकार मिला। मताधिकार से संबंधित बोरो के लोगों को जो पुरानी योग्यता थी, वह तो रही ही साथ ही साथ सभी गृह स्वामियों का उन किरायेदारों को मताधिकार दिया गया जो 10 पौण्ड वार्षिक लगान या किराया देते थे। काउन्टियों में भी 40 शिलिंग वाली योग्यता तो रही ही, उसके साथ 10 पौण्ड वार्षिक लगान देने वाले कापीहोल्डरों और लीज होल्डरों तथा 50 पौण्ड वार्षिक लगान देने वाले काश्तकारों को भी मताधिकार दिया गया। आर्थर ब्रायंट विश्वविख्यात और भी संदर्भ में स्पष्ट भाषा प्रयुक्त हुई। कुछ इतिहासकारों ने यह लिखा है कि यदि मैं केवल आगे हुए परिवर्तनों का यह परिवर्तन माना एक युग का अंत और दूसरे युग का आरम्भ था। लेकिन जब हम इस अधिनियम के व्यावहारिक परिणाम का अनुमान करते हैं तो ऐसी कोई बात दिखाई नहीं पड़ती है।

1832 के सुधार अधिनियम को ट्रेवेलियन इस युग का मैग्नाकार्टा कहते हैं, इसके बाद संसदीय सुधारों के लिए रास्ता खुल गया। कॉमन्स सभा अब लोकमत का प्रतिनिधित्व करने लगी। मैरियट के अनुसार "प्रथम सुधार बिल पास होने से लॉर्ड्स की मौत का वारंट आया और सम्राट ने अपनी सीमाओं को पहचाना"। परन्तु यह बिल कॉमन्स सभा को पूर्ण प्रजातांत्रिक नहीं बना सकी। शासन सत्ता कुलीनों के हाथ से निकल कर मध्यम वर्ग के हाथ में चली आयी। सर्वसाधारण के हाथों में नहीं आयी थी, फिर भी इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में 1832 का सुधार अधिनियम एक महत्वपूर्ण कदम था।

लेकिन यह भी निश्चित था कि समय की गति के साथ 1832 के सुधार बिल के महत्वपूर्ण परिणाम निकलते। इस सुधार बिल का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम तो यही होने वाला था कि राजा अब मंत्रिमंडल के निर्माण एवं निर्देशन में अपना वह प्रभाव नहीं दिखा सकता था, जो पिछले युगों में वह दिखलाता था कारण था कि अनेक बुनावों की समाप्ति के उपरांत राजा के लिए यह सम्भव नहीं रह गया था कि वह कॉमन्स सभा के अधिकांश सदस्यों को अपने प्रभाव में रखे और उनकी सहायता या समर्थन से मनोनुकूल मंत्रिमंडल का निर्माण कर सके।

शेष अगले पेज में → अर्पिता